



Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

Press Release

Indo-Russian Writers' Meet New Delhi, 21st November 2025

Sahitya Akademi organized an Indo-Russian Writers' Meet on 21 November 2025 in its Third Floor auditorium, Rabindra Bhawan, New Delhi. A 3-member delegation from Union of Writers of Russia. From Russia Sri Dimitry Yemet, who writes in the varied genre of children literature, fantasy genre, teenage literature and who is also a philology expert participated along with Sri Amelin Alexey Alexandrovich who assisted him as the translator, Ms. Bronetskaya Galina Eduardovna, who is a specialist in organizing educational events for the Union of Writers of Russia and Ms. Ekatrina Dynyak, from the Russian Centre. Prof. Udaya Narayana Singh, eminent Maithili and Bengali poet, writer, translator and scholar; Sri Mohan Himthani, eminent Sindhi writer and Dr. Vanita eminent Punjabi writer participated from the Indian side. Dr. N. Suresh Babu welcomed all on behalf of Ms. Pallavi Prashant Holkar, Secretary, Sahitya Akademi and introduced the participants to the august gathering. As the Akademi's tradition, Sri Anupam Tiwari, Editor Hindi welcomed the Russian counterparts by offering them Angvastram and an Akademi publication each and Dr. Devendra Kumar Devesh welcomed the Indian counterparts with Angvastram. Sri Udaya Narayan requested Sri Dimitry to share about his experience. Sri Dimitry said that while studying at the university his area of expertise was the golden age of Russia, the writings on which subject he found to be very dry. He started writing as a secondary thing which later became his primary occupation. Ms. Ranjana Saxena asked about his works in the genre of fantasy, to which he said that fantasy works as a bridge to all the genres and is enjoyed by all. Dr. Vanita asked about the taste of current generation of kids in Russia and Sri Mohan Himthani shared his views about the presence of Sufism in Sindhi poetry. Sri Dimitry said that the children literature is enjoyed by anyone who is still a child at their heart. The delegation had also brought copies of classical as well as contemporary Russian works which they shared with the audience. Dr. N. Suresh Babu thanked all for making the programme a success on behalf of the Secretary, Sahitya Akademi.

- Pallavi Prashant Holkar



Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी

(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi

(National Academy of Letters)

An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



पल्लवी प्रशांत होळकर

सचिव

Pallavi Prashant Holkar

Secretary

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी में सांस्कृतिक आदान-प्रदान में पधारे रूस के लेखक

नई दिल्ली। 21 नवंबर 2025; सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत आज साहित्य अकादेमी में रूसी लेखकों के साथ भारतीय लेखकों की बातचीत का कार्यक्रम रखा गया। रूस से पधारे दिमित्री एलेक्जेंड्रोविच येमेट्स जो कि बच्चों के प्रसिद्ध फैंटेसी राइटर हैं, ने अपने लेखन के बारे में विस्तार से बताया और उपस्थित लेखकों के सवालों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जाने माने कवि, लेखक एवं अनुवादक उदयनारायण सिंह ने की। इस अवसर पर प्रख्यात पंजाबी लेखिका वनीता, सिंधी लेखक मोहन हिमथाणी और दिल्ली विश्वविद्यालय में रूसी भाषा की पूर्व प्रोफेसर रंजना भी उपस्थित थीं। सर्वप्रथम सभी का अभिनंदन साहित्य अकादेमी के संपादक (हिंदी) अनुपम तिवारी एवं उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने पारंपरिक अंगवस्त्रम् एवं पुस्तकें भेंट करके किया। दिमित्री एलेक्जेंड्रोविच येमेट्स ने अपने वक्तव्य में कहा कि वे भारत की प्रकृति और परिवार के साथ बच्चों की उपस्थिति से बेहद प्रभावित हैं। उन्होंने भारत और रूस के उन समान परंपराओं का भी उल्लेख किया, जो दोनों देशों की मैत्री को अमूल्य बनाते हैं। आगे उन्होंने बताया कि वह जो लिख रहे हैं, वह रूसी लोक कथाओं से प्रेरित हैं और उन्होंने उसमें जादू और फैंटेसी के विभिन्न तथ्यों का रोचक इस्तेमाल किया है। उन्होंने अपनी उस किताब के बारे में भी बताया, जो वहाँ बहुत लोकप्रिय है और हैरी पॉटर की पैरोडी है। उन्होंने कहा कि उनका फोकस किशोर साहित्य है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक बुक्स, ऑडियो बुक्स और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और बच्चों के लिए लिखना मुश्किल हुआ है और पढ़ने में रोचकता बनाए रखने के लिए नए विषय और शैली की जरूरत पड़ती है। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उदयनारायण सिंह नचिकेता ने कहा कि हमारी उम्र के अधिकतर भारतीयों ने रूसी बाल साहित्य अपनी अपनी भाषाओं में अनुवाद के रूप में पढ़ा है। तब यह किताबें बेहद सस्ती और सुंदर होती थी। उन्होंने यह जिज्ञासा भी प्रकट की, क्या बच्चों के लिए लेखन में विभिन्न भाषाओं की भी कोई सीमा होती है। भारतीय लेखकों ने उनसे यह भी जानना चाहा कि क्या वहाँ भी रामायण और महाभारत की तरह पौराणिक ग्रंथों की कोई परंपरा है। कार्यक्रम में रूस से पधारे ब्रोनेत्सकाया गैलिना एडुआर्डोवना, एमेलिन एलेक्सी एलेक्जेंड्रोविच भी उपस्थित थे।

भारतीय लेखकों में सुकृता पॉल कुमार, रफीक मसूदी, गौरीशंकर रैणा, कैलाश नारायण तिवारी, सुमन कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के उपसचिव एन. सुरेश बाबु ने किया।

-पल्लवी प्रशांत होळकर